सीता के राम थे रखवाले

सीता के राम थे रखवाले,
जब हरण हुआ तब कोई नहीं ॥
द्रोपदी के पांचो पांडव थे,
जब चीर हरण तब कोई नहीं,
दशरथ के चार दुलारे थे,
जब प्राण तजे कब कोई नहीं ॥

रावण भी बड़े शक्तिशाली थे,
जब लंका जली तब कोई नहीं,
श्री कृष्ण सुदर्शन धारी थे,
जब तीर चुभा तब कोई नहीं ॥

लक्ष्मण जी भी भारी योद्धा थे,
जब शक्ति लगी तब कोई नहीं,
सर शय्या पे पड़े पितामह थे,
पीड़ा का सांझी कोई नहीं ॥

अभिमन्यु राज दुलारे थे,
पर चक्रव्यूह में कोई नहीं,
सच है दुनिया वाले,
संसार में अपना कोई नहीं ॥

सीता के राम थे रखवाले,
जब हरण हुआ तब कोई नहीं ॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35574/title/sita-ke-ram-se-rakhvale

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |